तेरे संग (पीलू – तिस्रम)

आदि – हिन्दी – श्री एस्. नारायण अय्यर

तेरे संग नाचूँगी आओ नंदलाला ।
खुशियाँ मनायेंगे प्यारे नंदलाला ।

सगा मपा मपनिदपा । पदा मपा गारिसानि ॥ सा

काशी पीताम्बर धारि नंदलाला ।
तुलसी हार कुण्डल धारि नंदलाला ।

मोर पंख से मुकुट सजाये नंदलाला ।
छोटी मुहँ में तीन लोक दिखाए नंदलाला ।

कालिया के शीश पे तू नाचे नंदलाला ।
कंस को मुष्टि से वद किए नंदलाला ।

गोपियों की मटकी फोडे नटकट नंदलाला ।
गोवर्धन गिरिधारि प्यारे नंदलाला ॥